पावस सत्र समापन अवसर पर
माननीय विधानसभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

शुक्रवार, **30 जुलाई 2021**

पंचम विधानसभा के **ग्यारहवें सत्र** का आज अंतिम कार्यदिवस है। यह पावस सत्र दिनांक **26 जुलाई से 30 जुलाई** के मध्य आहूत था। इस सत्र के समापन अवसर पर मैं सर्वप्रथम सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं समस्त माननीय सदस्यों के प्रति इस सत्र के सुव्यवस्थित संचालन में सहभागिता और सहयोग के लिये मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

छत्तीसगढ़ राज्य, देश और विश्व **कोविड–19** के संक्रमण के प्रभाव से प्रभावित है। इन विपरीत परिस्थितियों में भी आपने अपने संसदीय दायित्वों की पूर्ति के लिए जो सजगता और समर्पण प्रदर्शित किया है। उसकी मैं मुक्तकंठ से सराहना करता हूँ।

मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि हमारा देश और राज्य विपरीत परिस्थितियों में भी अपने हौसले को कायम किये हुए है, इसका प्रमाण है। **टोकियो** में चल रही **ओलम्पिक प्रतियोगिता** में भारत की बेटी **मीराबाई चानू** ने भारोत्तोलन प्रतियोगिता में **रजत पदक** हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया है, वहीं छत्तीसगढ़ बस्तर की बेटी **नैना** ने **एवरेस्ट की चोटी** पर फतह हासिल कर तिरंगा लहराया है, छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मैं इन दोनों बहादुर बेटियों को अपनी ओर से और सदन की ओर से बधाई देता हूँ।

आज का दिवस हम सबके लिए उपलब्धियों का दिवस है, अब से थोड़ी देर पहले उत्कृष्टता अलंकरण समारोह में माननीय राज्यपाल महोदया जी ने छत्तीसगढ़ विधान सभा के कार्यकरण के संदर्भ में जो विशेषताएं चिन्हांकित कीं, इन उपलब्धियों का पूरा श्रेय माननीय सदस्यगणों के संसदीय आचरण को, आपकी जागरूकता को, आपके समर्पण को जाता है । मैं आप सभी को इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूँ ।

मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में लोकतांत्रिक संसदीय मूल्यों के प्रति आस्था की जड़े बहुत गहरी और मजबूत हैं, इस सत्र में उत्पन्न परिस्थितियां और उसका पटाक्षेप इसका जीवंत प्रमाण है। इसी तारतम्य में मेरा यह आग्रह है कि आप अपनी वाणी में संयम रखने का प्रयास करें। वाणी के संदर्भ में **पूज्य कबीरदास जी** ने लिखा है कि...

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोए ।
औरन को भीतल करे, आपहूं भीतल होए।।

माननीय नेता प्रतिपक्ष **माननीय श्री धरमलाल कौशिक जी,** जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ दल के नेता माननीय **श्री धर्मजीत सिंह जी**, ब.स.पा. दल के नेता माननीय **श्री केशव चन्द्रा जी** एवं प्रतिपक्ष के आप सभी के माननीय सदस्यगणों को सदन संचालन में आपके सहयोग के लिए हृदय से साधुवाद देता हूँ।

सदन के नेता माननीय **मुख्यमंत्री जी** की मैं इस बात के लिये विशेष रूप से प्रशंसा करना चाहूंगा कि सदन में गतिरोध को समाप्त करने के लिए वे उदार मन से तत्पर रहें। निश्चित ही उनकी यह भावना लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रबल आस्था का प्रमाण है।

अब मैं आपको इस पावस सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों के संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 05 बैठकों में लगभग 27 घंटे चर्चा हुई। 30 प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक प्रश्न पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत लगभग 6 प्रश्नों का रहा। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 375 एवं अतारांकित प्रश्नों की 342 सूचनाएं प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 717 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं। इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 244 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें 65 सूचनाएं ग्राह्य हुईं इस सत्र में स्थगन की कुल 94 सूचनाएं प्राप्त हुई। जिसमें से एक विषय से संबंधित 14 सूचनाओं को सदन में पढ़ने एवं शासन का का वक्तव्य सुनने के पश्चात चर्चा हेतु ग्राह्य किया गया । शून्यकाल की 79 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें 40 सूचनाएं ग्राह्य और 39 सूचनाएं अग्राह्य रही तथा वर्तमान सत्र में 101 याचिकायें माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनमें 38 ग्राह्य व 63 अग्राह्य रही। 4 अशासकीय संकल्प माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये। इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और 4 विधेयकों पर चर्चा हुई तथा 4 पारित हुए।

वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुमान पर 5 घंटे 3 मिनट चर्चा हुई !

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया। मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

इस पावस सत्र समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस पावस सत्र के दौरान कायम रखी। मैं विधान सभा के प्रमुख सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्र की तिथियों की घोषणा की परंपरा रही है तत्संबंध में यह अनुमान है कि **पंचम विधानसभा** का **बारहवां सत्र** दिसंबर माह के तृतीय सप्ताह में आहुत होने की संभावना है।

आईये हम सब मिलकर अपने छत्तीसगढ़ राज्य को समग्र उन्नति के शीर्ष पर पहुँचाने का पुनीत संकल्प लें।

धन्यवाद !

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़ !